अतएव, अब, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम संख्या 2 सन् 1974) की धारा 95 की उपधारा (1) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल घोषणा करते हैं कि मई, 2010 के अंक की "मानववादी मीडिया अम्बेडकर टुडे" की प्रत्येक प्रति, पुनर्मुद्रण, उसका अनुवाद या उसरो उद्धरण राज्य सरकार को प्रतिसंहृत हो जायेगा और यदि किसी स्थान में इससे संबंधित सामग्री होने का संदेह हो तो किसी व्यक्ति को वारंट के माध्यम से उस स्थान में प्रवेश करने और सघन तलाशी लेने के लिए प्राधिकृत किया जा सकता है।

आज्ञा से,
कुंवर फतेह बहादुर,
प्रमुख सचिव।

---

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 1353(1)P/VI-Pu-6–2010-15(Vividh)-2010, dated May 18 , 2010:

No. 1353(1)P/VI-Pu-6–2010-15(Vividh)-2010

*Dated Lucknow, May* 18, 2010

WHEREAS in the monthly magazine "Manavwadi Media Ambedkar Today" published by Dr. Rajeev Ratna, Shikhar Offset Tadatala district Jaunpur in which an article titled as "Vedic Brahman aur uska Dharma" written by Shri Ashwani Kumar Shakya, S/o Shri P. L. Shakya, resident of Pagara road, Jaura district Muraina, Madhya Pradesh has been published in the said article there have been used defamable comments against Hindu Dharma and the words used are abusive and hurting the sentiments of Hindus. The language used therein is objectionable and instigating the Hindu community, whereby it is quite possible that bitterness and illwill may thrive among the followers of Hindu Dharma. The said article has been deliberately written, printed and published to generate bitterness and illwill;

AND, WHEREAS, the State Government is satisfied that the publication of the said article in the above mentioned magazine is punishable under sections 153-A and 295-A of the Indian Penal Code, 1860 (Act no. 45 of 1860);

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers under sub-section (1) of section 95 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no 2 of 1974), the Governor is pleased to declare that every copy of magazine "Manavwadi Media Ambedkar Today" of May 2010 edition and the reprints translation thereof or extracts therefrom shall be forfeited to the State Government and if there is any doubt of being the material related to it at any place, a person may be authorised through warrant to enter and search the place thoroughly.

By order,
KUNWAR FATEH BAHADUR,
*Pramukh Sachiv.*

पी0एस0यू0पी–ए0पी0 148 राजपत्र (हि0)–2010–(331)–597 प्रतियां (कम्प्यूटर/टी0/आफसेट)।
पी0एस0यू0पी–ए0पी0 3 सा0 गृह पुलिस–2010–(332)–228 प्रतियां (कम्प्यूटर/टी0/आफसेट)।
148 RPH data 2

क्रम-संख्या–176 (क)

रजिस्ट्रेशन नम्बर–एस०एस०पी०/एल०
डब्लू०/एन०पी०–91/2008–10
लाइसेन्स टू पोस्ट ऐट कन्सेशनल रेट

# सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

## असाधारण

### विधायी परिशिष्ट

भाग–4, खण्ड (ख)

(परिनियत आदेश)

लखनऊ, मंगलवार, 18 मई, 2010

बैशाख 28, 1932 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश सरकार

गृह (पुलिस) अनुभाग–6

संख्या 1353(1)पी/छः-पु-6–2010-15(विविध)-2010
लखनऊ, 18 मई, 2010

अधिसूचना

प०आ०–308

चूँकि डा० राजीव रत्न, शिखर ऑफसेट, ताड़तला, जौनपुर द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका "मानववादी मीडिया अम्बेडकर टुडे" में श्री अश्वनी कुमार शाक्य, पुत्र श्री पी० एल० शाक्य, निवासी पगारा रोड, जौरा, जिला मुरैना, मध्य प्रदेश द्वारा लिखित "वैदिक ब्राह्मण और उसका धर्म" शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया गया है। उक्त लेख में हिन्दू धर्म के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणियां की गयी हैं और प्रयोग किये गये शब्द गाली गलौज पूर्ण हैं और हिन्दुओं के मनोभावों को आहत करते हैं। इसमें प्रयोग की गयी भाषा आपत्तिजनक है और हिन्दू समुदाय को दुष्प्रेरित करती है जिससे इस बात की पूरी आशंका है कि हिन्दू धर्म के अनुयायियों में कटुता और दुर्भावना बढ़ जाय। उक्त लेख कटुता और दुर्भावना पैदा करने के लिए जान बूझकर लिखा, मुद्रित और प्रकाशित किया गया है;

और, चूंकि, राज्य सरकार का समाधान हो गया है कि उपरिउल्लिखित पत्रिका में उक्त लेख का प्रकाशन भारतीय दण्ड संहिता, 1860 (अधिनियम संख्या 45 सन् 1860) की धारा 153-क और 295-क के अधीन दण्डनीय है;

अतएव, अब, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम संख्या 2 सन् 1974) की धारा 95 की उपधारा (1) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल घोषणा करते हैं कि मई, 2010 के अंक की "मानववादी मीडिया आम्बेडकर टुडे" की प्रत्येक प्रति, पुनर्मुद्रण, उसका अनुवाद या उसका उद्धरण राज्य सरकार को प्रतिसंहृत हो जायेगा और यदि किसी स्थान में इससे संबंधित सामग्री होने का संदेह हो तो किसी व्यक्ति को वारंट के माध्यम से उस स्थान में प्रवेश करने और सघन तलाशी लेने के लिए प्राधिकृत किया जा सकता है।

आज्ञा से,
कुंवर फतेह बहादुर,
प्रमुख सचिव।

---

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 1353(1)P/VI-Pu-6–2010-15(Vividh)-2010, dated May 18 , 2010:

No. 1353(1)P/VI-Pu-6–2010-15(Vividh)-2010

*Dated Lucknow, May* 18, 2010

WHEREAS in the monthly magazine "Manavwadi Media Ambedkar Today" published by Dr. Rajeev Ratna, Shikhar Offset Tadatala district Jaunpur in which an article titled as "Vedic Brahman aur uska Dharma" written by Shri Ashwani Kumar Shakya, S/o Shri P. L. Shakya, resident of Pagara road, Jaura district Muraina, Madhya Pradesh has been published in the said article there have been used defamable comments against Hindu Dharma and the words used are abusive and hurting the sentiments of Hindus. The language used therein is objectionable and instigating the Hindu community, whereby it is quite possible that bitterness and illwill may thrive among the followers of Hindu Dharma. The said article has been deliberately written, printed and published to generate bitterness and illwill;

AND, WHEREAS, the State Government is satisfied that the publication of the said article in the above mentioned magazine is punishable under sections 153-A and 295-A of the Indian Penal Code, 1860 (Act no. 45 of 1860);

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers under sub-section (1) of section 95 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act no 2 of 1974), the Governor is pleased to declare that every copy of magazine "Manavwadi Media Ambedkar Today" of May 2010 edition and the reprints translation thereof or extracts therefrom shall be forfeited to the State Government and if there is any doubt of being the material related to it at any place, a person may be authorised through warrant to enter and search the place thoroughly.

By order,
KUNWAR FATEH BAHADUR,
*Pramukh Sachiv.*

पी0एस0यू0पी–ए0पी0 148 राजपत्र (हि0)–2010–(331)–597 प्रतियां (कम्प्यूटर/टी0/आफसेट)।
पी0एस0यू0पी–ए0पी0 3 सा0 गृह पुलिस–2010–(332)–228 प्रतियां (कम्प्यूटर/टी0/आफसेट)।
148 RPH data 2